RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
03
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

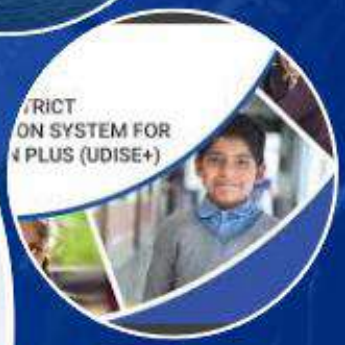

By Ankit Avasthi Sir

विश्व बैंक की बिजनेस रेडी रिपोर्ट / WB's Business Ready Report

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) ने भारत के लिए वर्ल्ड बैंक के बिजनेस रेडी (B-READY) फ्रेमवर्क के तहत संभावनाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला है।
यह फ्रेमवर्क वैश्विक स्तर पर व्यापार परिवेश को मापने के लिए तैयार किया गया है और इसे पिछले 'डूइंग बिजनेस इंडेक्स' के स्थान पर लागू किया जा रहा है, जो डेटा अनियमितताओं के कारण विवादित हुआ था।

B-READY रिपोर्ट के बारे में:

परिचय:

B-READY इंडेक्स वर्ल्ड बैंक की "Ease of Doing Business" रैंकिंग का उत्तराधिकारी है, जिसे 2021 में डेटा अनियमितताओं के कारण बंद कर दिया गया था।

उद्देश्य:

- व्यापार परिवेश का व्यापक आकलन करना।
- नियामक ढांचे, सार्वजनिक सेवाओं और उनकी कार्यक्षमता का मूल्यांकन।
- निजी क्षेत्र के विकास और वैश्विक निवेश माहौल में सुधार करना।

मुख्य विशेषताएं:

- किसी फर्म के जीवनचक्र के 10 क्षेत्रों को कवर करता है, जैसे व्यवसाय की शुरुआत, श्रम नियम और अंतरराष्ट्रीय व्यापार।
- व्यवसाय शुरू करने, संचालन करने, और उसे बंद करने या पुनर्गठन पर केंद्रित।

आकलन के तीन स्तंभ:

1. **नियामक ढांचा (Regulatory Framework):**
   - फर्म के जीवनचक्र में नियमों और विनियमों का मूल्यांकन।
   - स्पष्टता, निष्पक्षता और स्थिरता को बढ़ावा देता है।
2. **सार्वजनिक सेवाएं (Public Services):**
   - व्यवसायों को समर्थन देने वाली सरकारी सेवाओं और बुनियादी ढांचे की समीक्षा।
   - डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और इंटरऑपरेबिलिटी पर जोर।
3. **संचालन दक्षता (Operational Efficiency):**
   - नियमों का पालन और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी को मापता है।
   - संचालन की सुगमता और नियामक कार्यक्षमता पर केंद्रित।

B-READY रिपोर्ट पर GTRI की मुख्य बातें:

वैश्विक तुलना:

- सिंगापुर ऑनलाइन व्यवसाय पंजीकरण और व्यापार सुविधा जैसे मानकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है।
- जर्मनी और सिंगापुर ने कस्टम प्रक्रियाओं को सरल बनाकर व्यापार दक्षता को बढ़ावा दिया है।

भारत के लिए अवसर:

- **सकारात्मक क्षेत्र:**
  - नियामकों की गुणवत्ता।
  - सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावशीलता।
  - संचालन दक्षता में बेहतर प्रदर्शन की संभावना।

भारत के लिए चुनौतियां:

- **मध्यम से कम स्कोर के क्षेत्र:**
  - व्यवसाय शुरू करना।
  - श्रम नियम।
  - अंतरराष्ट्रीय व्यापार।
  - मौजूदा कमियों के कारण इन मानकों में सुधार की आवश्यकता।

बिजनेस रेडी (B-READY) रिपोर्ट 2024 की सिफारिशें:

व्यावसायिक संचालन को सरल बनाना:

- व्यवसाय पंजीकरण, नियामक अनुमोदन और कस्टम प्रक्रियाओं को सरल और डिजिटल बनाना।
- देरी और लागत को कम करने के लिए सिंगापुर जैसे एक-दिन पंजीकरण प्रणाली के मॉडल से प्रेरणा लेना।

सार्वजनिक सेवाओं और डिजिटल परिवर्तन को मजबूत करना:

- कर पोर्टल, उपयोगिता सेवा पहुंच, और विवाद समाधान तंत्र जैसी प्रमुख सार्वजनिक सेवाओं में निवेश।
- अनुपालन और संचालन की दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटल उपकरणों को बढ़ावा देना।

स्थिरता और समावेशिता को बढ़ावा देना:

- पर्यावरणीय रूप से स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों का विकास।
- लैंगिक-संवेदनशील विनियम लागू करना, समावेशिता को बढ़ावा देना और वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के साथ संरेखित करना।

सहकर्मी सीखने और सहयोग को प्रोत्साहित करना: सिंगापुर, रवांडा और एस्टोनिया जैसे प्रदर्शनकारी देशों से नवाचार अपनाने के लिए ज्ञान साझा करना और सीखने को प्रोत्साहित करना।

सुधार अपनाना:

- स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने वाले अनुकूलित नीति ढांचे तैयार करना।
- वैश्विक मानकों के साथ संतुलित और समावेशी आर्थिक विकास सुनिश्चित करना।

नौसेना में युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल / Navy includes warships and submarines

भारतीय नौसेना मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में स्वदेशी रूप से निर्मित दो अग्रिम युद्धपोत और एक पनडुब्बी को शामिल करने जा रही है।

मुख्य बिंदु:

1. **शामिल किए जाने वाले पोत और पनडुब्बी:**
   - 'नीलगिरी': प्रोजेक्ट 17A स्टेल्थ फ्रिगेट श्रेणी का पहला युद्धपोत।
   - 'सूरत': प्रोजेक्ट 15B स्टेल्थ डिस्ट्रॉयर श्रेणी का चौथा और अंतिम पोत।
   - 'वाघशीर': स्कॉर्पीन श्रेणी की छठी और अंतिम पनडुब्बी।
2. **निर्माण स्थल:**
   - सभी तीन युद्धपोत और पनडुब्बी मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) में बनाए गए।
3. **डिजाइन और निर्माण:**
   - दोनों युद्धपोत भारत में डिजाइन किए गए हैं।
   - स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां फ्रांस की नेवल ग्रुप के लाइसेंस के तहत भारत में बनाई गई हैं।

नीलगिरी स्टेल्थ फ्रिगेट:

मुख्य विशेषताएँ:

1. **शिवालिक श्रेणी से उन्नत:** प्रोजेक्ट 17A के तहत निर्मित, यह फ्रिगेट भारत के समुद्री क्षेत्र में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों का मुकाबला करने में सक्षम है।
   - इसे ब्लू वॉटर ऑपरेशन्स के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. **निर्माण तकनीक:** इंटीग्रेटेड कंस्ट्रक्शन पद्धति का उपयोग, जिससे निर्माण समय में कमी आती है।
   - ब्लॉक स्टेज पर प्री-आउटफिटिंग की प्रक्रिया अपनाई गई।
3. **संचालन प्रणाली (Propulsion System):**
   - कंबाइंड डीजल या गैस (CODOG) प्रणालियों से संचालित।
   - कंट्रोलेबल पिच प्रोपेलर (CPP) का उपयोग।
4. **उन्नत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली:** इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम (IPMS) से सुसज्जित।
5. **हथियार प्रणाली (Weapon Systems):**
   - सुपरसोनिक सतह-से-सतह मिसाइल प्रणाली।
   - मीडियम रेंज सतह-से-हवा मिसाइलें।
   - 76 मिमी अपग्रेडेड गन।
   - रैपिड-फायर क्लोज-इन वेपन सिस्टम।

वाघशीर पनडुब्बी (Vagsheer Submarine):

मुख्य विशेषताएँ:

1. **प्रोजेक्ट 75 के तहत अंतिम पनडुब्बी:** कलवरी श्रेणी की छठी और अंतिम स्कॉर्पीन वर्ग की पनडुब्बी।
   - इसे भारतीय शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने फ्रांस की नेवल ग्रुप के तकनीकी सहयोग से बनाया है।
2. **प्रौद्योगिकी और निर्माण:** यह एक शांत और बहुमुखी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है।
   - मॉड्यूलर निर्माण तकनीक का उपयोग किया गया है, जो भविष्य में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) जैसी उन्नत तकनीकों को जोड़ने की सुविधा प्रदान करता है।
3. **मिशन क्षमताएँ:**
   - सतह-रोधी युद्ध (Anti-Surface Warfare)।
   - पनडुब्बी-रोधी युद्ध (Anti-Submarine Warfare)।
   - खुफिया जानकारी जुटाना।
   - क्षेत्र निगरानी और विशेष ऑपरेशन।
4. **हथियार प्रणाली:**
   - वायर-गाइडेड टॉरपीडो।
   - एंटी-शिप मिसाइल।
   - उन्नत सोनार प्रणाली।

सूरत स्टेल्थ डिस्ट्रॉयर (Surat Stealth Destroyer):

मुख्य विशेषताएँ:

1. **वर्ग और निर्माण:** विशाखापत्तनम श्रेणी (प्रोजेक्ट-15B) का चौथा स्टेल्थ डिस्ट्रॉयर।
   - मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा निर्मित और भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन।
2. **पूर्ववर्ती जहाज:** आईएनएस विशाखापत्तनम (2021), आईएनएस मर्मुगाओ (2022), आईएनएस इंफाल (2023)।
3. **विशेषताएँ:**
   - गुजरात के सूरत शहर का नाम।
   - पहला AI-सक्षम युद्धपोत।
4. **हथियार प्रणाली:** सतह-से-हवा मिसाइल, एंटी-शिप मिसाइल, टॉरपीडो।
5. **संचालन प्रणाली:**
   - कंबाइंड गैस और गैस (COGAG) प्रणोदन प्रणाली।

शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस रिपोर्ट / Unified District Information System for Education Plus (UDISE+) Report

शिक्षा मंत्रालय (MoE) के यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (UDISE+) रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में छात्रों की कुल नामांकन संख्या पिछले वर्षों की तुलना में एक करोड़ से अधिक घट गई है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

1. **नामांकन में गिरावट**: 2023-24 के शैक्षिक वर्ष में कुल 24.8 करोड़ छात्रों ने नामांकन लिया, जबकि 2022-23 में यह संख्या 25.18 करोड़ थी।
2. **नामांकन दर में 6% से अधिक गिरावट**: 2018-19 की तुलना में लगभग 1.22 करोड़ छात्रों की संख्या में कमी आई है।
3. **लिंग के आधार पर गिरावट**:
   - लड़के: 2018-19 में 13.53 करोड़ लड़कों की तुलना में 2023-24 में 12.87 करोड़ लड़कों का नामांकन हुआ, जो 4.87% की गिरावट है।
   - लड़कियां: 2018-19 में 12.49 करोड़ लड़कियों की तुलना में 2023-24 में 11.93 करोड़ लड़कियों का नामांकन हुआ, जो 4.48% की गिरावट है।
4. **राज्यवार गिरावट**:
   - बिहार में 35.65 लाख छात्रों की गिरावट,
   - उत्तर प्रदेश में 28.26 लाख छात्रों की गिरावट,
   - महाराष्ट्र में 18.55 लाख छात्रों की गिरावट।

यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (UDISE+) रिपोर्ट:

- यह प्रणाली Department of School Education & Literacy (DOSEL) द्वारा 2018-19 के संदर्भ वर्ष से विकसित की गई है।

2. **डेटा अपलोडिंग**:
   - इस प्रणाली के माध्यम से स्कूल स्तर पर डेटा को ऑनलाइन अपलोड करना संभव है।
   - डेटा का सत्यापन बाद में ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर किया जाता है।
3. **महत्व**:
   - यह डेटा प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षा की गुणवत्ता की निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करता है।

भारत की शिक्षा प्रणाली में चुनौतियाँ:

1. **शिक्षा की गुणवत्ता**: पुराने शिक्षण तरीकों और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह है।
2. **शहरी-ग्रामीण असमानता**: शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच में असमानता है।
3. **रटने की शिक्षा प्रणाली**: शिक्षा में रटने पर अधिक ध्यान दिया जाता है, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा नहीं मिलता।
4. **उच्च ड्रॉपआउट दरें**: वित्तीय कठिनाइयाँ, बाल विवाह और रुचि की कमी के कारण कई छात्र शिक्षा छोड़ देते हैं।
5. **बुनियादी ढांचे की कमी**: ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों में कक्षाएँ, शौचालय और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है।
6. **आर्थिक कमी**: शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च अपर्याप्त है, जिससे स्कूलों और शिक्षकों के लिए संसाधनों की कमी होती है।
7. **भारी पाठ्यक्रम**: पाठ्यक्रम अत्यधिक कठोर और अधिक भरा हुआ होता है, जिससे व्यावहारिक कौशल के लिए कम स्थान मिलता है।
8. **तकनीकी समाकलन**: डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में तकनीकी पहुँच सीमित है।
9. **उच्च शिक्षा तक पहुँच**: उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ी है, लेकिन फिर भी गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा की मांग आपूर्ति से अधिक है।

सरकारी पहल:

1. **राइट टू एजुकेशन (RTE) एक्ट, 2009**
2. **मिड-डे मील योजना**
3. **प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY)**
4. **नेशनल स्कीम ऑफ इनसेंटिव टू गर्ल्स फॉर सेकेंडरी एजुकेशन**
5. **स्वच्छ विद्यालय अभियान**
6. **डिजिटल इंडिया कार्यक्रम**
7. **वृत्तीय और वित्तीय सहायता**
8. **नई शिक्षा नीति 2020**

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना / PM Fasal Bima Yojana

सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) और पुनर्निर्मित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) को जारी रखने का निर्णय लिया है। यह निर्णय किसानों की सुरक्षा और उनके फसल जोखिम को कम करने के लिए लिया गया है।

मुख्य संशोधन:

1. **योजना का विस्तार**: 2025-26 तक ₹69,515.71 करोड़ के बजट के साथ।
2. **प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर समावेश**: नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (FIAT) के माध्यम से ₹824.77 करोड़ का कोष।
3. **प्रौद्योगिकीय पहलों के लिए वित्तपोषण**: YES-TECH, WINDS आदि जैसे पहलों के लिए कोष का उपयोग।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के बारे में:

1. **लॉन्च**:
   2016 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लॉन्च की गई।
2. **लक्ष्य**:
   - प्राकृतिक आपदाओं, कीटों या बीमारियों के कारण फसल के नुकसान पर किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
   - किसानों की आय को स्थिर करना और उन्हें खेती में बने रहने के लिए प्रेरित करना।
   - किसानों को नवीन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
   - कृषि क्षेत्र में क्रेडिट की प्रवाह सुनिश्चित करना।
3. **कवरिज़**:
   सभी किसान, जिसमें हिस्सेदारी किसान और पट्टेदार किसान भी शामिल हैं, जो सूचित फसलों को सूचित क्षेत्रों में उगाते हैं।
4. **कवर की जाने वाली फसलें**:
   - खाद्य फसलें (अनाज, बाजरा और दालें)
   - तिलहन और वार्षिक वाणिज्यिक / बागवानी फसलें।
5. **केंद्र और राज्य का योगदान**:
   - योजना के क्रियान्वयन में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण प्रीमियम सब्सिडी केंद्र और राज्य सरकार के बीच 50:50 के अनुपात में साझा की जाती है।
   - उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए यह अनुपात 90:10 निर्धारित किया गया है।

नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (FIAT) के बारे में:

1. **स्थापना**:
   बीमा योजनाओं में प्रौद्योगिकी सुधार के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (FIAT) की स्थापना की गई है।
2. **मुख्य पहलें**:
   - **YES-TECH (यील्ड एस्टिमेशन सिस्टम)**: यह प्रणाली रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके फसल उत्पादन का अनुमान लगाती है।
   - **WINDS (वेदर इंफॉर्मेशन और नेटवर्क डेटा सिस्टम)**: यह स्वचालित मौसम स्टेशन के माध्यम से मौसम डेटा को बढ़ावा देता है।
3. **कोष का आकार**:
   FIAT के लिए ₹824.77 करोड़ का कोष निर्धारित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण सरकारी योजनाएँ:

1. किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना
2. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)
3. ब्याज सब्सिडी योजना
4. किसान विकास ऋण (FDL)
5. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)
6. राष्ट्रीय कृषि विस्तार और प्रौद्योगिकी मिशन (NMAET)
7. क्रेडिट गारंटी फंड योजना (CGS)
8. ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष (RIDF)
9. किसान ऋण पोर्टल (KRP)

भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2024 /Ground Water Quality Report, 2024

केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB) द्वारा जल शक्ति मंत्रालय के तहत जारी की गई "वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2024" में भारत में भूजल की गुणवत्ता को लेकर महत्वपूर्ण चिंताएँ उठाई गई हैं।

मुख्य बिंदु:

1. **भूजल निष्कर्षण**: रिपोर्ट के अनुसार, भारत में भूजल निष्कर्षण की दर 60.4% है।
2. **सुरक्षित ब्लॉक**: विश्लेषित किए गए ब्लॉकों में लगभग 73% को 'सुरक्षित' श्रेणी में रखा गया है, जो भूजल संसाधनों के पर्याप्त पुनर्भरण को दर्शाता है।
3. **नाइट्रेट प्रदूषण**: 2023 तक 440 जिलों में भूजल में अत्यधिक नाइट्रेट पाया गया है।
    - राजस्थान (49%), कर्नाटक (48%), और तमिलनाडु (37%) में नाइट्रेट प्रदूषण की सबसे उच्च दर रिपोर्ट की गई है।
4. **यूरेनियम प्रदूषण**: राजस्थान और पंजाब में यूरेनियम प्रदूषण की समस्या अधिक है, जहां सर्वेक्षण में सबसे अधिक नमूनों में 100 ppb (पार्ट्स पर बिलियन) से अधिक पाया गया।
5. **फ्लोराइड प्रदूषण**: राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, और तेलंगाना जैसे राज्यों में फ्लोराइड प्रदूषण एक प्रमुख चिंता का विषय है।

भूजल प्रदूषण के बारे में:

भूजल प्रदूषण तब होता है जब प्रदूषक पदार्थ भूजल में घुलकर उसे उपयोग के लिए असुरक्षित बना देते हैं।

भूजल प्रदूषण के कारण:

1. **उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग**
    - नाइट्रोजन आधारित रासायनिक उर्वरकों पर अधिक निर्भरता।
    - नाइट्रेट का भूजल में रिसाव।
2. **औद्योगिक अपशिष्ट**
    - अनुपचारित या अपर्याप्त उपचारित औद्योगिक अपशिष्ट का निष्कासन।
    - भारी धातुओं और विषैले पदार्थों का भूजल में प्रवेश।
3. **भौगोलिक संरचनाएँ**: कुछ क्षेत्रों में प्राकृतिक प्रदूषक जैसे आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम का भूजल में मिश्रण।
4. **अत्यधिक निष्कर्षण**
    - जल स्तर का गिरना।
    - आर्सेनिक, यूरेनियम और फ्लोराइड जैसे प्राकृतिक प्रदूषकों का संकेंद्रण।

भूजल निष्कर्षण की स्थिति:

1. **भूजल निष्कर्षण दर:**
    - भूजल निष्कर्षण दर 60.4% पर बनी हुई है, जो 2009 से अपरिवर्तित है।
    - यह दर कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोगों के लिए भूजल निकासी के अनुपात को दर्शाती है, जो कुल उपलब्ध पुनर्भरण के मुकाबले है।
    - भूजल का पुनर्भरण प्राकृतिक रूप से वर्षा और अन्य स्रोतों से होता है।
2. **ब्लॉकों की सुरक्षा:**
    - भारत में 73% भूजल ब्लॉक अब "सुरक्षित क्षेत्र" के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं, जहां पुनर्भरण, निष्कर्षण के बराबर या उससे अधिक है।
    - 2022 में यह प्रतिशत 67.4% था, जो 2023 में बढ़कर 73% हो गया है।

भूजल गुणवत्ता में गिरावट के मुख्य कारण:

1. **औद्योगिकीकरण:**
    - अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्टों का निष्कासन, जिसमें भारी धातुएं, रासायनिक पदार्थ और सॉल्वेंट शामिल हैं।
2. **कृषि प्रथाएँ:**
    - खेती में उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग।
3. **शहरीकरण:**
    - गलत तरीके से कचरा निपटान, सीवेज रिसाव और कचरे के डंप से प्रदूषण।
4. **जलवायु परिवर्तन:**
    - वर्षा के पैटर्न में बदलाव और अत्यधिक निष्कर्षण से जलमग्न क्षेत्रों का पुनर्भरण प्रभावित होता है।

राजकीय अंतिम संस्कार और राष्ट्रीय शोक / State Funeral and National Mourning

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राज्य सम्मान के साथ किया गया। उनके निधन पर सरकार ने 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक सात दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया, और इस दौरान देशभर में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके हुए लहराए गए।

राज्य सम्मान में अंतिम संस्कार क्या है?

राज्य सम्मान में अंतिम संस्कार एक औपचारिक समारोह होता है, जो एक महत्वपूर्ण व्यक्ति, सामान्यत: एक राष्ट्रीय नेता, के लिए आयोजित किया जाता है और इसमें राज्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की सभी प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं। इसमें सार्वजनिक भागीदारी भी होती है।

भारत में राज्य सम्मान का अंतिम संस्कार

- आमतौर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए आरक्षित होता है।
- कुछ मामलों में, केंद्रीय सरकार अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी उनके राष्ट्रीय योगदान के आधार पर राज्य सम्मान में अंतिम संस्कार देने का निर्णय ले सकती है, जैसे उद्योगपति रतन टाटा और गायिका लता मंगेशकर।

राज्य सम्मान में अंतिम संस्कार के मुख्य नियम:

1. **संगठन**: अंतिम संस्कार की व्यवस्था रक्षा मंत्रालय द्वारा गृह मंत्रालय के निर्देश पर की जाती है।
2. **सरकारी अधिकारी**: सभी गजेटेड अधिकारी को यदि वे उपलब्ध हों तो समारोह में उपस्थित होने की उम्मीद होती है।
3. **सेवा कर्मियों की वेशभूषा**: सेवा कर्मी राज्य समारोहों के लिए आधिकारिक पोशाक पहनते हैं।
4. **ध्वज का प्रयोग**: शव पर राष्ट्रीय ध्वज इस प्रकार लपेटा जाता है कि केसरिया (साफ़्रन) रंग सिर की ओर हो।
5. **ध्वज का निपटान**: ध्वज को कब्र में नहीं डाला जाता है और न ही चिता में जलाया जाता है।

राष्ट्रीय शोक के बारे में:

1. **घोषणा**: केंद्रीय सरकार देश के लिए असाधारण योगदान देने वाले नेताओं के निधन पर राष्ट्रीय शोक घोषित कर सकती है।
    - राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके होते हैं।
2. **अपवाद**: गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती पर राष्ट्रीय शोक नहीं होता।
3. **ध्वज प्रबंधन**: मृतक व्यक्तित्व का शव जिस भवन में हो, वहां का ध्वज आधे झुका रहेगा।
4. **आधिकारिक प्रोटोकॉल**: शोक घोषित होने पर सरकारी मनोरंजन कार्यक्रम रद्द होते हैं, बाकी कार्यक्रम जारी रहते हैं।
5. **राज्य स्तर पर**: गवर्नर के निधन पर राज्य शोक मनाना अनिवार्य है, मुख्यमंत्री के निधन पर राज्य सरकार की मर्जी।

भारतीय ध्वज संहिता की प्रमुख विशेषताएँ

1. **आकार और माप**:
    - राष्ट्रीय ध्वज आयताकार आकार का होता है, जिसमें लंबाई और ऊंचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3:2 होता है।
    - विमान के लिए ध्वज का आकार 450 x 300 मिमी होता है, जबकि मोटर-कारों पर प्रदर्शित करने के लिए 225 x 150 मिमी का आकार होता है। टेबल ध्वज का आकार 150 x 100 मिमी होता है।
2. **एक साथ ध्वज फहराने पर प्रतिबंध**:
    - राष्ट्रीय ध्वज को किसी एक ध्वजस्तंभ से किसी अन्य ध्वज के साथ एक साथ नहीं फहराया जा सकता।
3. **वाहनों पर ध्वज का प्रयोग**:
    - राष्ट्रीय ध्वज केवल उन वाहनों पर फहराया जा सकता है, जो ध्वज संहिता के भाग III, खंड IX में उल्लेखित विशिष्ट व्यक्तियों के हैं, जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल।
4. **पद और स्थान निर्धारण**:
    - कोई अन्य ध्वज या बंटिंग राष्ट्रीय ध्वज से ऊपर, उसके समानांतर या उसके पास नहीं रखा जा सकता।

आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक / Index of Eight Core Industries

आठ प्रमुख उद्योगों का सम्मिलित सूचकांक नवंबर 2024 में 4.3% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में है। अप्रैल-नवंबर 2024 के दौरान यह सूचकांक 4.2% बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि की तुलना में है। इस वृद्धि में कोयला क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो औद्योगिक विकास को मजबूती प्रदान कर रहा है।

यह वृद्धि सीमेंट, कोयला, स्टील, बिजली, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरकों के उत्पादन में सकारात्मक रुझानों को दर्शाती है।

- **अंतिम वृद्धि दर:** अगस्त 2024 में ICI में 1.5% की गिरावट दर्ज की गई।
- **संचयी वृद्धि:** अप्रैल-नवंबर 2024-25 के लिए ICI की संचयी वृद्धि 4.2% (अनंतिम) रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में है।

कोर क्षेत्र प्रदर्शन (नवंबर 2024):

कोर सेक्टर ग्रोथ क्या है?

- कोर सेक्टर ग्रोथ का अर्थ है किसी अर्थव्यवस्था के मुख्य उद्योगों के उत्पादन/आउटपुट में एक निश्चित समयावधि में हुई वृद्धि।
- ये मुख्य उद्योग अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं और औद्योगिक प्रदर्शन का मापदंड माने जाते हैं।

आठ कोर उद्योगों का सूचकांक (Index of Eight Core Industries - ICI):

ICI मासिक रूप से तैयार किया जाता है और भारत के औद्योगिक क्षेत्र के प्रदर्शन को दर्शाता है।

मुख्य घटक:

1. **कोयला (Coal):** कोकिंग कोल को छोड़कर कुल उत्पादन।
2. **बिजली (Electricity):** थर्मल, न्यूक्लियर, हाइड्रो स्रोतों और भूटान से आयातित बिजली।
3. **क्रूड ऑयल (Crude Oil):** कुल कच्चे तेल का उत्पादन।
4. **सीमेंट (Cement):** बड़े और छोटे दोनों संयंत्रों का उत्पादन।
5. **प्राकृतिक गैस (Natural Gas):** कुल प्राकृतिक गैस का उत्पादन।
6. **स्टील (Steel):** मिश्र धातु और गैर-मिश्र धातु स्टील का उत्पादन।
7. **रिफाइनरी उत्पाद (Refinery Products):** कुल रिफाइनरी उत्पादन।
8. **उर्वरक (Fertiliser):** यूरिया, अमोनियम सल्फेट आदि प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन।

आठ कोर उद्योगों का सूचकांक (ICI) रिपोर्टिंग:

रिपोर्टिंग प्रक्रिया:

तैयारी और जारीकरण:

- ICI हर महीने तैयार किया जाता है।
- इसे एक महीने के अंतराल के बाद (महीने के अंतिम दिन) जारी किया जाता है।
- रिपोर्ट को आर्थिक सलाहकार कार्यालय (Office of the Economic Adviser), औद्योगिक और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है।

आधार वर्ष (Base Year):

- ICI का वर्तमान आधार वर्ष 2011-12 है, जो इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP) के समान है।

बिनोदिनी मंच / Binodini Mancha

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कोलकाता के प्रतिष्ठित स्टार थिएटर का नाम बदलकर 'बिनोदिनी मंच' रखने की घोषणा की है, जिससे बंगाली रंगमंच की अग्रणी अभिनेत्री बिनोदिनी दासी को सम्मानित किया जा सके।

बिनोदिनी दासी के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - जन्म: 1862 में कोलकाता के एक उपनगर में, जो उस समय रेड-लाइट क्षेत्र के रूप में जाना जाता था।
  - पारिवारिक पृष्ठभूमि: एक तवायफ की बेटी, जिन्होंने बचपन से ही गरीबी का सामना किया।
- **रंगमंच में प्रवेश:**
  - 12 वर्ष की आयु में अभिनय की शुरुआत, थिएटर गायिका गंगाबाई के मार्गदर्शन में।
  - प्रसिद्ध नाटककार गिरीश चंद्र घोष से अभिनय की बारीकियां सीखीं।
- **योगदान:**
  - महिला पात्रों के साथ-साथ पुरुष पात्रों, जैसे संत चैतन्य, की भूमिका निभाकर रंगमंच में नवाचार किया।
  - गिरीश चंद्र घोष के साथ मिलकर 1883 में स्टार थिएटर की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **चुनौतियाँ:**
  - समाज की पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण और पितृसत्तात्मक मानसिकता का सामना किया।
  - स्टार थिएटर का नाम उनके सम्मान में रखने का वादा किया गया था, लेकिन अंततः ऐसा नहीं हुआ।
- **अवकाश और लेखन:**
  - 23 वर्ष की आयु में रंगमंच से संन्यास लिया।
  - 1913 में आत्मकथा 'आमार कथा' प्रकाशित की, जिसमें अपने जीवन की चुनौतियों और अनुभवों का वर्णन किया।

महत्व: बिनोदिनी दासी ने भारतीय रंगमंच में महिलाओं की भागीदारी के लिए मार्ग प्रशस्त किया और समाज की बाधाओं के बावजूद अपनी कला के प्रति समर्पण दिखाया।

सांस्कृतिक सम्मान: स्टार थिएटर का नाम बदलकर 'बिनोदिनी मंच' रखना उनके योगदान की स्वीकृति और सम्मान का प्रतीक है, जो भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

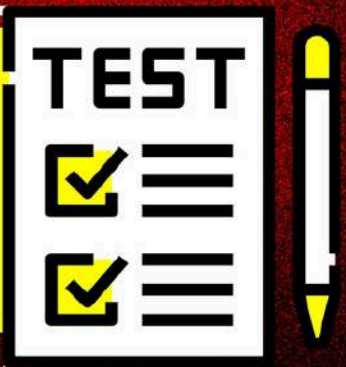

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !